बुधवार
26 अगस्त 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 214
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हिमालयन सुनामी

उत्तरी नेपाल में बाढ़ का तांडव, भारी नुकसान की आशंका

संवाददाता

काठमांडू । उत्तरी नेपाल में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने सीमावर्ती बस्तियों में भारी तबाही मचाई और निचले इलाकों के कई जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब नौ बजे भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, जिनमें गाड़ियां बहती नजर आ रही हैं, पुल टूट गए हैं, लोग चीख-चिल्ला रहे हैं और कई घर मलबे में तब्दील हो गए हैं। भोटेकोशी नदी अपने साथ सबको बहा को ले जा रही है। बड़ी-बड़ी इमारत ताश के पत्तों की तरह बह रही है। काठमांडू पोस्ट के अनुसार अब तक कम से कम 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

बाढ़ के पानी ने बॉर्डर पर बसी बस्तियों में भारी तबाही मचाई है, जिसकी वजह से निचले इलाकों के कई जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि पानी तिब्बत की ओर से आया। बाढ़ से रसुवा जिले के तिमुरे और समीपवर्ती स्याफ्रुबेसी इलाके में भारी नुकसान हुआ तथा वाहन, सामान और अन्य संपत्ति बह गई। आशंका है कि इस प्राकृतिक आपदा में बड़ी संख्या में जान-माल का नुकसान हुआ है।

बाढ़ के बाद कुल 28 सुरक्षाकर्मी लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 19 नेपाल पुलिस और 9 आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रसुवागढ़ी पुलिस पोस्ट पर तैनात 22 पुलिसकर्मियों में से 13 से संपर्क नहीं हो पा रहा है। वहीं, स्याब्रूबेसी क्षेत्र में तैनात नौ पुलिसकर्मियों में से छह से संपर्क टूट गया है। इसके अलावा तिमुरे बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात नौ जवानों से भी संपर्क नहीं हो पाया है। नेपाल के बाढ़ को देखते हुए बिहार के कई जिलों में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है।

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन और गोरखा के नदी किनारे रहने वाले लोगों से अगले आदेश तक अत्यधिक सर्तक रहने और सुरक्षा उपाय करने की अपील की है। जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बुधवार को आई बाढ़ रसुवा में हुई बारिश के कारण नहीं आई है।

रसुवा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी ध्रुव प्रसाद अधिकारी ने कहा कि बाढ़ का स्तर असामान्य रूप से अधिक था और दोनों बस्तियों को काफी नुकसान हुआ है। नेपाल सेना ने त्रिशूली नदी के आसपास के इलाकों में खोज एवं बचाव अभियान चलाने के लिए दो हेलीकॉप्टर भेजे हैं।

नेपाल की इस आपदा के बाद बिहार भी हाई अलर्ट पर है। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग ने गंडक नदी में फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई, जिसमें एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली जिलों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। सभी जिलाधिकारियों को नदी के जलस्तर, तटबंधों, निचले इलाकों, पुल-पुलियों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्थानीय समुदाय को समय पर अलर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध वसूली कर रहा तथाकथित पत्रकार गिरफ्तार

◆स्वयं को पत्रकार बताकर एक व्यक्ति को कर रहा था ब्लैकमेल

हमारे संवाददाता

देहरादून। झूठी खबर प्रसारित करने की धमकी देकर अवैध वसूली करने वाले तथाकथित पत्रकार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अब तक पीड़ित से साढ़े तीन लाख रूपये की वसूली कर चुका है।

झूठी खबर प्रसारित करने की धमकी देकर वसूल कर चुका था साढ़े 3 लाख

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीते रोज राकेश कुमार पुत्र जयपाल सिंह निवासी ठाकुरपुर लक्ष्मीपुर, ईस्ट हॉप टाउन, प्रेम नगर के द्वारा कोतवाली प्रेम नगर तहरीर देकर बताया गया था कि उनका घर ठाकुरपुर लक्ष्मीपुर में है तथा उनके घर से करीब 500 मीटर आगे उनके परिचित प्रकाश चंद की 250 गज जमीन है, जिसमें उनके द्वारा 6 दुकानें बनाई गई है। उक्त भूमि पर दुकान निर्माण के कार्य के दौरान रजत सिंह नाम के व्यक्ति, जिसके द्वारा स्वयं को पत्रकार बताया गया था, के द्वारा उक्त दुकानों के गोल्डन फॉरेस्ट की जमीन पर बने होने की झूठी खबर को अपने चैनल में प्रसारित करने की धमकी दी गयी तथा खबर प्रसारित न करने के एवज में उनसे पैसों की मांग की गई।

रजत सिंह के द्वारा अलग-अलग तारीखों में अब तक उनसे लगभग ढाई लाख रुपए नगद व 97000 रूपये यूपीआई के माध्यम से लिए जा चुके है तथा अपने दो अन्य साथियो के साथ, जिन्हें वो पत्रकार बता रहा है, के साथ मिलकर लगातार उन्हें फोन कर उनके साथ गाली गलौच करते हुए उनसे 5 लाख रूपये की मांग तथा पैसा न देने पर अपने चैनल में उनकी झूठी खबरें प्रसारित करने व उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

उक्त सभी व्यक्तियों के द्वारा अब तक उनसे लगभग साढ़े तीन लाख रुपए से अधिक की धनराशि ब्लैकमेलिंग के जरिए वसूल की जा चुकी है। मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाकर पुलिस ने उसके आधार पर नामजद मुख्य आरोपी रजत सिंह को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

दून वैली मेल

संपादकीय

अग्निवीर प्रकोष्ठ से उम्मीदें

उत्तराखंड के लिए सेना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही देशसेवा की परंपरा है। प्रदेश के हजारों युवा आज भी सेना की वर्दी पहनने का सपना देखते हैं। ऐसे में अग्निवीर योजना के बाद युवाओं के मन में उठ रहे सवालों और भविष्य की चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार की ओर से अग्निवीर प्रकोष्ठ की पहल इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हालांकि इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि यह प्रकोष्ठ कितनी तेजी और गंभीरता से युवाओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान करता है। अग्निवीर व्यवस्था ने सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के सामने अवसर का नया रास्ता खोला है, लेकिन चार वर्ष की सेवा के बाद भविष्य को लेकर कई सवाल भी हैं। उत्तराखंड जैसे राज्य में, जहां सेना में भर्ती को रोजगार के साथ सामाजिक प्रतिष्ठा और देशसेवा से जोड़कर देखा जाता है, इन सवालों की गंभीरता और बढ़ जाती है। इसलिए अग्निवीर प्रकोष्ठ का दायित्व केवल सूचना उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे युवाओं के लिए भर्ती से लेकर सेवा और सेवा के बाद रोजगार तक का सेतु बनना होगा। सबसे बड़ी जरूरत यह है कि प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली स्पष्ट और परिणाम आधारित हो। प्रदेश के पर्वतीय जिलों में सेना की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। दूरदराज के गांवों से आने वाले युवाओं के सामने कोचिंग, खेल मैदान, आवास और आर्थिक संसाधनों की कमी जैसी व्यावहारिक चुनौतियां हैं। केवल देहरादून या बड़े शहरों में सुविधाएं उपलब्ध कराने से समस्या का समाधान नहीं होगा। प्रकोष्ठ को ब्लाक और जिला स्तर तक पहुंच बनानी होगी। इसके साथ ही सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों के लिए सरकार को अभी से स्पष्ट रोजगार नीति तैयार करनी चाहिए। पुलिस, वन विभाग, आपदा प्रबंधन, सुरक्षा सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में उनकी सैन्य दक्षता का उपयोग किया जा सकता है। निजी क्षेत्र को भी इस दिशा में जोड़ा जाना चाहिए। आखिर सेना से प्रशिक्षित युवा अनुशासन, नेतृत्व, शारीरिक दक्षता और विपरीत परिस्थितियों में काम करने की क्षमता लेकर बाहर आता है। यह किसी भी संस्थान के लिए उपयोगी मानव संसाधन हो सकता है। उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन का क्षेत्र भी अग्निवीरों के कौशल का प्रभावी उपयोग कर सकता है। भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से जूझने वाले प्रदेश में प्रशिक्षित और अनुशासित युवाओं की जरूरत हमेशा रहेगी। यदि अग्निवीरों को आपदा प्रबंधन, पर्वतीय बचाव, ड्रोन संचालन, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य उपयोगी कौशल से जोड़ा जाए तो उनके लिए रोजगार के साथ प्रदेश की आपदा प्रबंधन क्षमता भी मजबूत होगी। लेकिन इसके लिए प्रकोष्ठ को सरकारी घोषणाओं की फाइलों से बाहर निकलना होगा। युवाओं को यह पता होना चाहिए कि वह अपनी समस्या लेकर कहां जाएं, किस अधिकारी से संपर्क करें और उन्हें किस प्रकार की सहायता मिलेगी। शिकायत और सुझाव के लिए प्रभावी व्यवस्था, जिला स्तर पर नोडल अधिकारी तथा नियमित फीडबैक सिस्टम जरूरी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि अग्निवीर प्रकोष्ठ को राजनीतिक प्रचार का माध्यम न बनने दिया जाए। युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय दलगत राजनीति से ऊपर होना चाहिए। सरकार को उपलब्धियों का प्रचार करने के बजाय परिणाम सामने रखने चाहिए और विपक्ष को भी केवल विरोध तक सीमित रहने के बजाय बेहतर नीति के लिए सुझाव देने चाहिए। उत्तराखंड के युवाओं ने सेना में जाकर देश की सीमाओं की रक्षा की है। अब उनकी सेवा और क्षमता का सम्मान यह होगा कि सरकार उनके भविष्य की मजबूत नींव तैयार करे। अग्निवीर प्रकोष्ठ तभी सार्थक होगा, जब वह भर्ती की तैयारी कर रहे युवा को अवसर, सेवा कर रहे अग्निवीर को सहयोग और सेवा पूरी कर चुके अग्निवीर को सम्मानजनक रोजगार का भरोसा दे सके। युवाओं के सपनों को सरकारी आदेशों से नहीं, जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से ताकत मिलेगी। अग्निवीर प्रकोष्ठ के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती भी है और अवसर भी।

जिला पंचायत अध्यक्ष उत्तरकाशी ने मोहन खत्री का किया गुणगान

संवाददाता

देहरादून। जिला पंचायल अध्यक्ष उत्तरकाशी रमेश सिंह चौहान ने रेडक्रास सोसायटी के मोहन खत्री का गुणगान किया।

आज यहां एक पत्र जारी करते हुए रमेश सिंह चौहान अध्यक्ष जिला पंचायत उत्तरकाशी रमेश सिंह चौहान ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी एवं समाज सेवी मोहन सिंह खत्री के राजकीय दून मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय के साथ कई अन्य अस्पतालों में निर्धन एवं जरूरतमंद मरीजों की विगत कई वर्षो से सेवा करते आ रहे हैं।

खत्री की इस नि:स्वार्थ सेवा के उपरान्त अनेक मरीज ठीक होकर अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन यापन कर रहे हैं। मोहन सिंह खत्री भारतीय रेडक्रास सोसाइटी से भी जुडे हैं उन्होंने अभी तक लगभग 150 से अधिक नि:शुल्क रक्तदान शिविरो का आयोजन करवाया हैं। जिससे अनेक निर्धन परिवार के मरीज लाभान्वित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने पांच वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पांच वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का विमोचन किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में पंचवटी फिल्म्स प्रोडक्शन एवं आदर्श औद्योगिक स्वायत्त सहकारिता (आदर्श संस्था) द्वारा मुख्यमंत्री के पांच वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने एल्बम से जुड़े निर्माता-निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, गायक एवं अन्य कलाकारों के साथ ही आदर्श संस्था के पदाधिकारियों को इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विकास यात्रा और राज्य में हो रहे सकारात्मक बदलावों को गीत-संगीत के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और देवभूमि की विशिष्ट पहचान के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर आदर्श संस्था की अध्यक्ष श्रीमती आशा कोठारी ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास कार्यों तथा जनहित में लिए गए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने एल्बम के निर्माता उत्तम सिंह भंडारी, गायक विक्रम भंडारी एवं सुश्री शिवानी नेगी, संगीतकार विजयपाल कलूड़ा सहित एल्बम से जुड़े कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती आशा कोठारी ने की तथा संचालन संस्था के सचिव हरीश कोठारी ने किया। इस अवसर पर युवा मोर्चा पछवादून के जिलाध्यक्ष विनायक नौटियाल, प्रदीप दुग्गल, विजय असवाल, शोभित उनियाल, गिरीश भट्ट, लक्ष्मी नारायण नवानी, आदित्य नौटियाल, सहदेव सिंह बिष्ट, श्रीमती सपना जवाड़ी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौलागढ निवासी चतर सिंह ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह वापस आया तो उस की स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राहुल के 'सनातन' बयान पर बवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सनातन और हिंदू धर्म को लेकर दिए गए कथित बयान पर उत्तराखंड की सियासत गरमा गई है। भाजपा ने राहुल गांधी पर युवाओं के बीच सनातन धर्म की नकारात्मक छवि पेश करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े धर्म और परंपराओं को राजनीतिक लाभ के लिए निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं हो सकता।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार ऐसे मुद्दों को उठाकर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका सीधा संबंध देश की धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनाओं से है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी के सामने सनातन की ऐसी तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जा रहा है, जो उसके वास्तविक स्वरूप से मेल नहीं खाती।

भाजपा का कहना है कि सनातन परंपरा केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। भारतीय दर्शन, संस्कृति, साहित्य, योग, अध्यात्म और सामाजिक जीवन में इसकी गहरी भूमिका रही है। ऐसे में हिंदू धर्मशास्त्रों और सनातन परंपरा पर टिप्पणी करने से पहले उसके व्यापक स्वरूप को समझना आवश्यक है। भाजपा नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि हिंदू धर्मशास्त्रों को समझने में राहुल गांधी को कई जन्म भी कम पड़ जाएंगे।

भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति में समय-समय पर बहुसंख्यक समाज की धार्मिक भावनाओं को लेकर विरोधाभासी रुख दिखाई देता रहा है। उनके अनुसार, एक तरफ कांग्रेस खुद को सभी धर्मों के सम्मान की राजनीति करने वाली पार्टी बताती है, वहीं दूसरी तरफ उसके प्रमुख नेता सनातन को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं, जिनसे विवाद खड़ा होता है।

भाजपा ने राहुल गांधी से सवाल किया

◆युवाओं में हिंदू धर्म की गलत छवि पेश करने का लगा आरोप
◆राजनीतिक फायदे के लिए आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं
◆युवा पीढ़ी के सामने धर्म की विकृत तस्वीर पेश करने का आरोप

कि यदि कांग्रेस वास्तव में धार्मिक सद्भाव और संविधान में विश्वास रखती है तो फिर सनातन धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियों की आवश्यकता क्यों पड़ती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि किसी भी धर्म या समुदाय की आलोचना राजनीतिक बहस का विषय हो सकती है, लेकिन करोड़ों लोगों की आस्था को अपमानित करने वाली भाषा से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है।

हालांकि, कांग्रेस की ओर से इन आरोपों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश बताया जा सकता है। कांग्रेस का तर्क रहा है कि भाजपा धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाकर वास्तविक जनसमस्याओं से ध्यान भटकाने का प्रयास करती है। ऐसे में सनातन को लेकर छिड़ी यह बहस केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे आगामी चुनावों की राजनीतिक रणनीति भी देखी जा रही है।

उत्तराखंड में यह मुद्दा इसलिए भी अहम है क्योंकि प्रदेश की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान में धार्मिक परंपराओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। चारधाम, तीर्थ परंपरा और स्थानीय देवी-देवताओं से जुड़ी आस्था प्रदेश के सामाजिक जीवन का हिस्सा है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर सनातन को लेकर होने वाली राजनीतिक बयानबाजी का असर उत्तराखंड की राजनीति में भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

भाजपा फिलहाल इस मुद्दे को युवाओं और धार्मिक आस्था से जोड़कर कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश में है। पार्टी का संदेश साफ है कि सनातन के अपमान को राजनीतिक बहस का सामान्य हिस्सा नहीं बनने दिया जाएगा। दूसरी ओर कांग्रेस के सामने चुनौती है कि वह राहुल गांधी के बयानों को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए अपनी राजनीतिक लाइन स्पष्ट करे।

आखिरकार सवाल यह है कि चुनावी राजनीति में धार्मिक विमर्श की सीमा क्या होनी चाहिए। राजनीतिक दलों के लिए यह जरूरी है कि वह आस्था से जुड़े विषयों पर बयान देते समय शब्दों की मर्यादा और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखें। क्योंकि चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन समाज की धार्मिक आस्थाएं और सांस्कृतिक विरासत लंबे समय तक कायम रहती हैं।

एसआईआर पर 'राष्ट्रवाद' का तड़का

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। एक तरफ भाजपा कांग्रेस और विपक्ष पर एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने और राष्ट्रहित के खिलाफ राजनीति करने का आरोप लगा रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाताओं के नामों और दावों-आपत्तियों के निस्तारण को लेकर सवाल उठा रही है। यानी मामला मतदाता सूची का है, लेकिन राजनीति में पहुंचते-पहुंचते बात राष्ट्रवाद तक पहुंच गई है। उत्तराखंड में एसआईआर की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर चल रही है। जिला प्रशासन की वेबसाइटों पर एसआईआर से संबंधित घोषणाएं, बीएलओ विवरण, बैठकें और अन्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन चुनावी साल की आहट के बीच मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण अब महज प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रह गया है। राजनीतिक दल इसे आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देख रहे हैं।

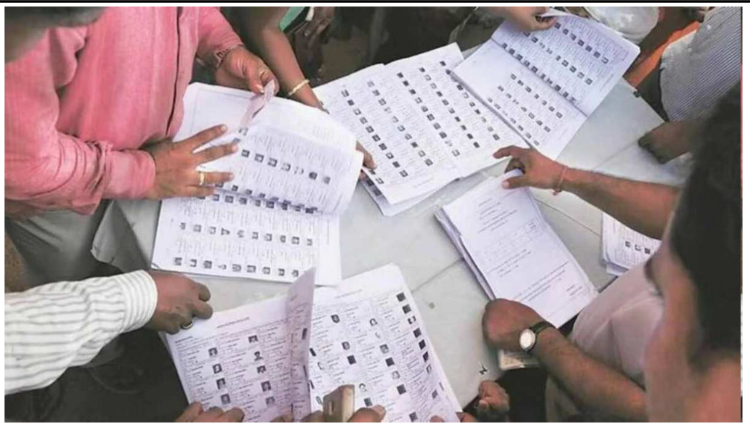

◆उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने
◆प्रशासनिक प्रक्रिया से शुरू विवाद, उत्तराखंड में सियासी जंग में बदला
◆भाजपा ने किया राष्ट्रवाद वाला वार, कांग्रेस ने उठाए पारदर्शिता पर सवाल
◆चुनाव आयोग की प्रक्रिया के बीच बढ़ गई है सूबे में राजनीतिक बयानबाजी

भाजपा का तर्क है कि मतदाता सूची में केवल पात्र भारतीय नागरिकों के नाम होना चाहिए। पार्टी विपक्ष पर आरोप लगा रही है कि वह एसआईआर को लेकर राजनीतिक भ्रम पैदा कर रहा है और ऐसी राजनीति कर रहा है, जिससे देशहित प्रभावित हो सकता है। भाजपा के लिए यह मुद्दा केवल मतदाता सूची की सफाई का नहीं, बल्कि अवैध या अपात्र लोगों के नाम हटाने से भी जुड़ा हुआ है। पार्टी का कहना है कि यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी है तो उसे ठीक करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है। भाजपा विपक्ष से सवाल कर रही है कि यदि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध और विश्वसनीय बनाना है तो उसका विरोध क्यों? यहीं से भाजपा का राजनीतिक हमला राष्ट्रवाद की तरफ मुड़ जाता है।

पार्टी विपक्ष पर आरोप लगाती है कि वह वोट बैंक की राजनीति के कारण ऐसे मुद्दे उठा रहा है जो मतदाता सूची की शुचिता से जुड़े हैं। भाजपा का संदेश साफ है मतदाता सूची में केवल पात्र नागरिक रहें, यह किसी दल का नहीं बल्कि लोकतंत्र का सवाल है। कांग्रेस इस तर्क को पूरी तरह स्वीकार करने को तैयार नहीं है। पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची को शुद्ध करने की जरूरत से उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिसमें किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से न हटे। कांग्रेस की सबसे बड़ी चिंता यही है कि पुनरीक्षण के दौरान यदि किसी मतदाता का नाम सूची से बाहर हो जाता है तो उसके पास दावा और आपत्ति दर्ज कराने का पर्याप्त अवसर होना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस ने एसआईआर से जुड़े दावों और आपत्तियों में मतदाताओं की मदद के लिए जिलावार नेताओं की जिम्मेदारी भी तय की है। कांग्रेस के अनुसार पार्टी अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देश पर अलग-अलग जिलों में सहायता और कानूनी मदद के लिए टीमें बनाई गई हैं। यह अपने आप में बताता है कि कांग्रेस अब एसआईआर को केवल राजनीतिक बयानबाजी का मुद्दा नहीं छोड़ना चाहती, बल्कि बूथ और मतदाता स्तर तक इस प्रक्रिया पर नजर रखने की तैयारी में है। इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण संस्था चुनाव आयोग है। क्योंकि मतदाता सूची का अंतिम फैसला राजनीतिक दलों के आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, निर्धारित चुनावी प्रक्रिया से होना है।

उत्तराखंड में प्रशासन की ओर से राजनीतिक दलों के साथ बैठकें भी की गई हैं। पौड़ी जिला प्रशासन के रिकार्ड में एसआईआर के दौरान राजनीतिक दलों के साथ बैठक और बीएलओ, बीएलए तथा अन्य संबंधित लोगों के प्रशिक्षण का उल्लेख है। यानी राजनीतिक दलों की भागीदारी प्रक्रिया का हिस्सा है। यही वजह है कि विवाद का समाधान भी राजनीतिक बयान से ज्यादा पारदर्शी प्रक्रिया में है। एसआईआर को लेकर सबसे संवेदनशील सवाल यही है कि सूची से अपात्र नाम हटाने की कोशिश में कहीं पात्र मतदाता का नाम न छूट जाए। किसी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए समस्या है। लेकिन किसी पात्र नागरिक का नाम सूची से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। इसलिए दोनों बातों को एक साथ देखना होगा।

सिर्फ यह कहना कि नाम कटेंगे तो गड़बड़ी दूर होगी पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि जिनके नाम सूची में नहीं रहेंगे, उन्हें सूचना कैसे मिलेगी, दावा कैसे दाखिल होगा, आपत्ति कैसे सुनी जाएगी और अंतिम निर्णय किस आधार पर होगा। यही पारदर्शिता एसआईआर की विश्वसनीयता तय करेगी। भाजपा के लिए चुनौती यह है कि एसआईआर को राष्ट्रवाद बनाम राष्ट्रविरोध की बहस में बदलने के बजाय मतदाता सूची की शुचिता के ठोस आंकड़े सामने रखे जाएं। कांग्रेस के लिए चुनौती यह है कि वह हर कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताने के बजाय जहां वास्तविक गड़बड़ी है, वहां दस्तावेज और तथ्य सामने रखे। क्योंकि मतदाता सूची किसी पार्टी की नहीं होती। उसमें दर्ज नाम किसी भाजपा कार्यकर्ता का हो या कांग्रेस समर्थक का, मतदाता का अधिकार समान है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में एसआईआर का मुद्दा आने वाले महीनों में और राजनीतिक रंग ले सकता है। भाजपा इसे मतदाता सूची की शुचिता और पात्र नागरिकों के अधिकार का मुद्दा बनाएगी, जबकि कांग्रेस इसे निष्पक्षता, पारदर्शिता और पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने के सवाल से जोड़ेगी। इस लड़ाई में सबसे जरूरी बात यह है कि मतदाता राजनीति का शिकार न बने। एसआईआर का मतलब अगर मतदाता सूची को बेहतर बनाना है तो यह काम बिना डर, बिना दबाव और बिना राजनीतिक भेदभाव के होना चाहिए। भाजपा को अपने आरोपों के साथ तथ्य रखने होंगे। कांग्रेस को अपनी आपत्तियों के साथ प्रमाण देने होंगे और चुनावी मशीनरी को हर पात्र मतदाता की आवाज सुननी होगी। क्योंकि चुनाव में सरकारें बदल सकती हैं, विधायक बदल सकते हैं, राजनीतिक नारे बदल सकते हैं। लेकिन एक बार मतदाता सूची में किसी पात्र नागरिक का नाम छूट गया तो उसके लोकतांत्रिक अधिकार पर सीधा असर पड़ सकता है। इसलिए एसआईआर की असली लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस नहीं है। असली सवाल यह है कि मतदाता सूची कितनी साफ होगी और उसमें दर्ज हर पात्र नागरिक का वोट कितना सुरक्षित रहेगा।

गीत और धुन वही और 'राजनीति नई'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। वंदे मातरम् फिर राजनीति के मंच पर है। इस बार भी सवाल गीत की पंक्तियों से ज्यादा इस बात पर है कि कौन कितनी देशभक्ति दिखा रहा है और कौन कितनी कम। भाजपा ने विपक्ष को घेरा है। आरोप लगाया जा रहा है कि विपक्ष राष्ट्रभावना के सवाल पर गंभीर नहीं है। दूसरी तरफ विपक्ष कह रहा है कि देशभक्ति को राजनीतिक प्रमाणपत्र में बदलने की कोशिश क्यों की जा रही है? यानी गीत वही है, धुन वही है, लेकिन राजनीति नई है। भारत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा भावनात्मक प्रतीक है। लेकिन चुनावी मौसम आते ही प्रतीकों की राजनीति तेज हो जाती है। फिर यह तय होने लगता है कि कौन कितना राष्ट्रवादी है, किसने कितनी पंक्तियां गाईं और किसने कितनी नहीं गाईं। यहीं से सवाल शुरू होता है। क्या देशभक्ति की माप अब गीत की पंक्तियों से होगी? अगर कोई राजनीतिक दल वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियां गाता है तो क्या वह अधिक देशभक्त हो जाता है और कोई दल पूरी तरह नहीं गाता तो उसकी देशभक्ति संदिग्ध हो जाती है? लोकतंत्र में यह तय करने का अधिकार आखिर किसके पास है?

राष्ट्रगीत पर सियासत

◆वंदे मातरम् की पंक्तियों पर बंटी राजनीति, देशभक्ति टेस्ट पर संग्राम
◆भाजपा का वार, विपक्ष का सवाल-कौन देगा राष्ट्रवाद का सर्टिफिकेट
◆राजनीति में राष्ट्रगीत आया तो बहस फिर शब्दों से निकली नीयत पर

भाजपा ने विपक्ष को घेरते हुए सवाल उठाया है। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए यह मुद्दा इसलिए भी उपयोगी है क्योंकि राष्ट्रवाद उसके लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा रहा है। विपक्ष के लिए मुश्किल यह है कि वह इस बहस में कदम रखता है तो भाजपा के बनाए मैदान पर खेलता है और मैदान से बाहर रहता है तो भाजपा उसे राष्ट्रभावना से दूरी के आरोपों से घेरती है। राजनीति का यही खेल है। एक तरफ रोजगार का सवाल है। दूसरी तरफ भर्ती परीक्षाओं की चिंता है। पहाड़ में सड़कें हैं, अस्पताल हैं, स्कूल हैं। युवाओं के भविष्य का सवाल है। महंगाई है। पलायन है। लेकिन चुनावी राजनीति में इन सवालों का जवाब कठिन है। वंदे मातरम् पर बहस करना आसान है। यह ऐसा मुद्दा है जिसमें एक नारा लगाइए, भीड़ तालियां बजाएगी। सोशल मीडिया पर वीडियो डालिए, समर्थक शेयर करेंगे। विपक्ष को घेरिए, बयान आएगा। विपक्ष जवाब देगा, दूसरा बयान आएगा। फिर दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों के बीच चले जाएंगे। और जनता? वह फिर अगले दिन नौकरी की तैयारी में बैठ जाएगी।

यही वह बिंदु है जहां देशभक्ति की राजनीति और नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी के बीच दूरी दिखाई देती है। देश से प्रेम केवल मंच पर गीत गाने से साबित नहीं होता। देश से प्रेम उस व्यवस्था को बेहतर बनाने से भी साबित होता है, जिसमें एक युवा बिना सिफारिश के नौकरी की उम्मीद कर सके, एक छात्र को परीक्षा की विश्वसनीयता पर भरोसा हो, पहाड़ का मरीज अस्पताल तक पहुंच सके और किसी गांव का बच्चा बारिश में स्कूल जाने से न डरे। वंदे मातरम् गाना भी लोकतांत्रिक अधिकार है और उस पर सवाल पूछना भी। लेकिन किसी नागरिक या राजनीतिक दल की देशभक्ति का अंतिम प्रमाणपत्र बांटना लोकतंत्र को छोटा करता है। भाजपा विपक्ष को घेर रही है। विपक्ष भाजपा पर भावनात्मक मुद्दों के सहारे असली सवालों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। दोनों के पास अपने तर्क हैं। लेकिन मतदाता के पास एक सीधा सवाल है मेरे जीवन में क्या बदला?

यही सवाल 2027 के विधानसभा चुनाव में भी लौटेगा। क्योंकि चुनावी मंच पर वंदे मातरम् की आवाज ऊंची हो सकती है, लेकिन गांव की टूटी सड़क की आवाज उससे भी पुरानी है। बेरोजगार युवा की बेचैनी किसी राष्ट्रगीत की धुन में खत्म नहीं होती। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र को केवल राष्ट्रवाद नहीं, एक भरोसेमंद भर्ती व्यवस्था भी चाहिए। देशभक्ति जरूरी है। राष्ट्रभावना जरूरी है। वंदे मातरम् का ऐतिहासिक महत्व भी निर्विवाद है। मगर लोकतंत्र में देशभक्ति को एक-दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करने की राजनीति कितनी दूर जाएगी, यह सवाल भी उतना ही जरूरी है। क्योंकि देश किसी एक पार्टी का नहीं है। न वंदे मातरम् किसी दल की संपत्ति है, न तिरंगा, न संविधान, न भारत। राजनीतिक दल आते-जाते रहेंगे। सरकारें बनेंगी और बदलेंगी। लेकिन देश रहेगा और जनता अपने सवालों के साथ वहीं रहेगी।

इसलिए अगली बार जब मंच से पूछा जाए कि कौन वंदे मातरम् के साथ है? तो शायद जनता को भी पलटकर पूछना चाहिए। ठीक है, लेकिन मेरे रोजगार, मेरी सड़क, मेरे स्कूल और मेरे भविष्य के साथ कौन है? यही सवाल चुनावी शोर में सबसे ज्यादा सुनाई देना चाहिए।

सिंथिया एमयूएन-3.0 में वैश्विक मुद्दों पर मंथन

हल्द्वानी (आरएनएस)। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सिंथिया मॉडल यूनाइटेड नेशन कार्यशाला-3.0 का रंगारंग उद्घाटन हुआ। दो दिवसीय कार्यशाला में करीब 200 प्रतिनिधि विभिन्न देशों और राजनीतिक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करते हुए अलग-अलग कमेटियों में वैश्विक और समसामयिक मुद्दों पर चर्चा, वाद-विवाद और विचार-विमर्श करेंगे। मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने कहा कि यह कार्यशाला केवल प्रतियोगिता का मंच नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने, उन्हें बनाए रखने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी है।

प्रधानाचार्य प्रवीन्द्र कुमार रौतेला ने कहा कि कार्यशाला का तीसरा संस्करण विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर प्रदान कर रहा है।कार्यशाला में यूनेस्को में डिजिटल पहुंच व वैश्विक शिक्षा, ईकोसोक में गरीबी व आर्थिक असमानता, यूनिसेफ में बच्चों के अधिकार और अखिल भारतीय राजनीतिक दलों की कमेटी में, लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका पर मंथन होगा। वहीं आईपीएल में क्रिकेट टीम प्रबंधन, फीफा में फुटबॉल व अंतरराष्ट्रीय प्रेस कमेटी में जिम्मेदार पत्रकारिता और डिजिटल युग में गलत सूचना जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दीवार का पेंट उखड़ रहा है? इन तरीकों से आप उसे कर सकते हैं ठीक

दीवारों पर पेंट उखड़ना एक आम समस्या है, खासकर अगर दीवारें नमी से प्रभावित हों। यह न केवल देखने में खराब लगता है, बल्कि दीवारों की उम्र को भी कम कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और अपनी दीवारों को नया जैसा बना सकते हैं। ये सभी तरीके आसानी से अपनाए जा सकते हैं और सस्ते भी हैं।

दीवारों को साफ करें : सबसे पहले प्रभावित क्षेत्र को साफ करना जरूरी है। इसके लिए एक स्पंज या ब्रश का उपयोग करें और उस जगह को अच्छी तरह से साफ करें, जहां से पेंट उखड़ रहा हो। अगर वहां पर कोई गंदगी या धूल-मिट्टी जमा हो तो उसे हटाएं। इससे पेंट लगाने में आसानी होगी और नया पेंट अच्छी तरह से चिपकेगा। इस प्रक्रिया से दीवार की सतह भी तैयार हो जाएगी, जिससे पेंट का असर बेहतर होगा।

नमी को नियंत्रित करें : नमी दीवारों के उखड़ने का मुख्य कारण होती है, जो सीलन पैदा करके उन्हें कमजोर भी कर सकती है। इसके लिए कमरे में हवा का प्रवाह बढ़ाएं, ताकि ताजगी बनी रहे और नमी कम हो। इसके अलावा दीवारों पर हवा आने-जाने का ध्यान रखें, ताकि नमी बाहर निकल सके। इस तरह आप अपनी दीवारों को सुरक्षित रख सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं।

प्राइमर लगाएं : पेंट लगाने से पहले प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है। प्राइमर एक आधार तैयार करता है, जिससे नया पेंट अच्छी तरह से चिपकता है और लंबे समय तक टिकता है। यह न केवल पेंट की गुणवत्ता बढ़ाता है, बल्कि दीवारों को मजबूत भी बनाता है। प्राइमर लगाने से पहले दीवारों को अच्छी तरह से साफ करें और सूखने दें। इसके बाद ही नए पेंट को लगाएं, ताकि वह सही तरीके से जम सके और दीवारें सुंदर दिखें।

सही पेंट चुनें : दीवारों के लिए सही पेंट चुनना अहम है। ऐसे पेंट का चयन करें, जो नमी से बचाने वाला हो और जल्दी सूख जाए। बाजार में कई प्रकार के नमी-रोधी पेंट उपलब्ध हैं, जिनमें पानी पर आधारित और तेल पर आधारित पेंट शामिल होते हैं। पानी पर आधारित पेंट ज्यादा बेहतर माने जाते हैं, क्योंकि ये जल्दी सूखते हैं और दीवारों को लंबे समय तक नया जैसा रखते हैं। इसके अलावा ये पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होते हैं।

नियमित जांच करें : एक बार जब आपने अपनी दीवारों पर नया पेंट लगा दिया हो तो नियमित अंतराल पर उसकी जांच करना जरूरी है। अगर कहीं पर कोई छोटा-सा हिस्सा उखड़ता हुआ दिखे तो उसे तुरंत ठीक करें, ताकि समस्या बड़ी न हो सके। इसके अलावा समय-समय पर दीवारों की सफाई भी करते रहें, ताकि उनका रूप-रंग बरकरार रहे। इस तरह आप अपनी दीवारों को हमेशा खूबसूरत और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

कपड़ों को जल्दी खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये आसान आदतें

कपड़े हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। चाहे वह ऑफिस के लिए हों, पार्टी के लिए या रोजमर्रा के उपयोग के लिए। हम सभी चाहते हैं कि हमारे कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखें। इसके लिए हमें कुछ आसान और असरदार आदतें अपनानी चाहिए। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कपड़ों की उम्र बढ़ा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं।

धोने का सही तरीका अपनाएं : कपड़े धोने का सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। गर्म पानी में कपड़े धोने से कपड़े फट सकते हैं या सिकुड़ सकते हैं, इसलिए हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करें। साबुन का सही मात्रा में उपयोग करें और कपड़ों को उल्टा करके धोएं, ताकि उनके रंग और डिजाइन सुरक्षित रहें। इसके अलावा नाजुक कपड़ों को हाथ से धोना बेहतर होता है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता बनी रहती है और वे लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं।

सुखाने का सही तरीका जानें : कपड़ों को सुखाने का तरीका भी अहम होता है। धूप में सीधे कपड़े सुखाने से उनके रंग फीके पड़ सकते हैं, इसलिए उन्हें छांव में सुखाना बेहतर है। इसके अलावा कपड़ों को टांगने से पहले हल्का-सा खींच लें, ताकि उनकी आकृति बनी रहे। नाजुक कपड़ों को हवा में सुखाना बेहतर होता है। इससे वे जल्दी सूखते हैं और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहती है। इन तरीकों से आप अपने कपड़ों को लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं।

इस्त्री करते समय ध्यान दें : इस्त्री करते समय तापमान का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अधिक गर्मी से कपड़े सिकुड़ सकते हैं या जल सकते हैं, इसलिए अलग-अलग कपड़ों के लिए अलग-अलग तापमान सेट करें। सूती के लिए अधिक तापमान और लिनन या रेशम के लिए मध्यम तापमान सेट करें। इस्त्री करने से पहले कपड़ों को हल्का-सा गीला कर लें, ताकि इस्त्री आसानी से हो सके और कपड़े अच्छे से सेट हो जाएं। इससे आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखेंगे।

स्टोर करने का तरीका सुधारें : कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करना भी अहम होता है। अगर आप अपने कपड़ों को सही तरीके से स्टोर नहीं करेंगे तो वे धूल-मिट्टी या कीड़े-मकोड़ों से खराब हो सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को साफ-सुथरा करके अलमारी में रखें और बीच-बीच में उन्हें हफ्ते में एक बार निकालकर हवा लगाएं। नाजुक कपड़ों को कपड़े धोने वाले बैग में स्टोर करें, ताकि वे सुरक्षित रहें। इसके अलावा समय-समय पर अलमारी को साफ करना न भूलें।

ज्यादा पसीना आता है तो हो सकता इस बीमारी का लक्षण, ना करें नजरअंदाज, जानें कारण

अगर आपको बिना किसी वजह के अचानक ज्यादा पसीना आने लगे तो इसे नजरअंदाज ना करें. ज्यादा पसीना आना गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है. हाइपरहाइड्रोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर से सामान्य स्तर से अधिक मात्रा में पसीना निकलता है. यह आमतौर पर हाथ, पैर, अक्सिला और चेहरे जैसे क्षेत्रों में दिखाई देता है. हाइपरहाइड्रोसिस में आपके शरीर की पसीने की ग्रंथियां ओवरएक्टिव हो जाती हैं. इसकी वजह से आपको अकारण बहुत ज्यादा पसीना आने लगता है आइए जानते हैं इसके बारे में...

हाइपरहाइड्रोसिस क्यों होता है.

1.तंत्रिका तंत्र संबंधी कारण - शोधों से पता चला है कि हाइपरहाइड्रोसिस में पसीना ग्रंथियों और तंत्रिका तंत्र के बीच के संचार में समस्या होती है, जिससे अत्यधिक पसीना निकलता है.

2.हार्मोन संबंधी कारण - थायराइड, पिट्यूटरी ग्रंथि आदि से संबंधित कुछ हार्मोन भी हाइपरहाइड्रोसिस का कारण बनते हैं.

3.आनुवंशिक कारण - यदि माता-पिता में से किसी एक को यह बीमारी है, तो बच्चे को होने की संभावना रहती है.

4.अन्य कारण - तनाव, एलर्जी, कुछ दवाएं आदि भी हाइपरहाइड्रोसिस के कारण हो सकते हैं.

हाइपरहाइड्रोसिस का लक्षण क्या होता है

हाथ, पैर, माथा और चेहरे जैसे क्षेत्रों से अधिक मात्रा में पसीना निकलना

इन क्षेत्रों का लगातार गीला और चिपचिपा रहना

हल्के से मध्यम शारीरिक प्रयासों पर भी अत्यधिक पसीने का स्राव

रात को सोते समय भी पसीना आना

कपड़ों पर पसीने के दाग और गंदगी के निशान

शारीरिक और मानसिक तनाव की स्थिति में पसीना तेजी से होना

जानें इसका इलाज

हाइपरहाइड्रोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर के कुछ हिस्सों से अधिक पसीने का स्राव होता है. इस बीमारी का कोई ठोस इलाज नहीं है, लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव और दवाएं लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती हैं.

वजन नियंत्रित रखना और एक्सरसाइज करना जरूरी है.

कैफीन और अल्कोहल से परहेज रखना चाहिए.

एंटीपर्सपिरेंट लोशन और एल्यूमिनियम क्लोराइड दवाएं लक्षणों को कम कर सकती हैं.

बोटॉक्स इंजेक्शंस भी प्रभावी हो सकते हैं.

तनाव और चिंता से बचाव करना चाहिए.

पौष्टिक खाने की चीजों को अपनी डाइट में जोड़ें, जो विटामिन्स से भरपूर हों.

सबसे बेस्ट तरीका है खूब पानी पिएं. इससे पसीने की दुर्गंध से बचा जा सकता है, कॉटन के कपड़े पहने ताकि आपको ज्यादा गरमी न लगने लगे.

नींबू पानी पिएं, अगर नींबू पानी से दिक्कत है तो ज्यादा से ज्यादा ग्रीन टी पिएं.

शब्द सामर्थ्य -047

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

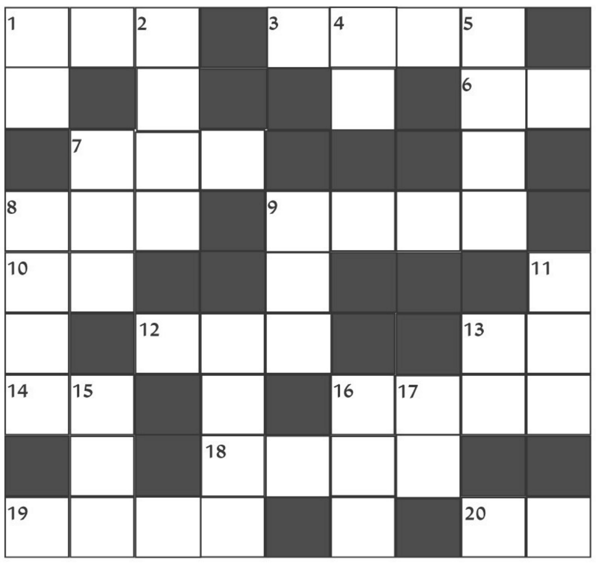

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 46 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

मुंह का स्वाद कड़वा क्यों हो जाता है? जानिए 5 कारण

मुंह का कड़वा स्वाद एक आम समस्या है, जिसे कई लोग अनुभव करते हैं। यह समस्या न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय हो सकती है, बल्कि आपके दिन की शुरुआत और खत्म होने का मजा भी बिगाड़ सकती है। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनके कारण मुंह का स्वाद कड़वा हो सकता है, ताकि आप सही समय पर उपाय कर सकें और इस समस्या से राहत पा सकें।

कुछ दवाओं का सेवन : कुछ दवाओं का सेवन भी मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकता है, जैसे कि कुछ एंटी-एलर्जी की दवाएं या मन के तनाव को कम करने वाली दवाएं। इन दवाओं के कारण मुंह सूख सकता है या पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे कड़वाहट होती है। अगर आप नियमित रूप से कोई दवा ले रहे हों तो अपने डॉक्टर से सलाह लें और उनकी सलाह अनुसार दवा बदलवाएं या उसकी मात्रा कम करवाएं।

जीभ की सफाई का ध्यान न रखना : जीभ की सफाई का ध्यान न रखना मुंह के कड़वे स्वाद का एक बड़ा कारण हो सकता है। अक्सर लोग ब्रश करते समय जीभ को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बैक्टीरिया और गंदगी जमा हो जाती है। इससे मुंह में कड़वाहट महसूस हो सकती है। इसलिए रोजाना ब्रश करते समय जीभ को भी साफ करें। इसके लिए आप नरम ब्रश का उपयोग कर सकते हैं और हल्के हाथों से जीभ को साफ करें।

दांतों की समस्याएं : दांतों की समस्याएं जैसे कि दांतों में कीड़े लगना, मसूड़ों की सूजन या दांतों में दर्द भी मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकती हैं। इन समस्याओं के कारण बैक्टीरिया पनपते हैं, जो कड़वाहट पैदा करते हैं। इसलिए नियमित रूप से दंत चिकित्सक से जांच करवाना जरूरी है ताकि इन समस्याओं का समय रहते पता चल सके और उनका इलाज हो सके। इसके अलावा दांतों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दें।

पाचन तंत्र की खराब स्थिति : पाचन तंत्र की खराब स्थिति भी मुंह के कड़वे स्वाद का एक अहम कारण हो सकती है। जब पाचन तंत्र सही तरीके से काम नहीं करता तो पेट में एसिड बढ़ने लगता, जो कड़वाहट पैदा करता है। इसके अलावा खट्टी-मीठी चीजों का सेवन भी इस समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लें और नियमित रूप से पानी पिएं। साथ ही ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें।

धूम्रपान और शराब का सेवन : धूम्रपान और शराब का सेवन न केवल आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है बल्कि ये मुंह में भी कड़वाहट पैदा कर सकता है। तंबाकू और शराब के कारण मुंह में सूखापन आता है, जिससे बैक्टीरिया पनपते हैं और कड़वाहट महसूस होती है। इसलिए इन आदतों को छोड़ना जरूरी है ताकि आपके मुंह की स्थिति बेहतर हो सके और आप स्वस्थ रह सकें। इसके अलावा धूम्रपान और शराब का सेवन कम करने के लिए चिकित्सा सहायता लें।

इन 5 ब्यूटी सीक्रेट्स को आजमाएं, महंगा दिखेगा आपका लुक

महंगा दिखना हर किसी की ख्वाहिश होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप हर बार महंगे कपड़े या गहने पहनें। कुछ छोटे-छोटे ब्यूटी सीक्रेट्स और स्मार्ट टिप्स से आप बिना ज्यादा खर्च किए भी महंगी और आकर्षक दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही 5 आसान और प्रभावी ब्यूटी सीक्रेट्स बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप बिना किसी झंझट के हर मौके पर सबसे खूबसूरत दिखेंगी।

सही मेकअप चुनें : सही मेकअप का चुनाव आपके पूरे लुक को बदल सकता है। अगर आप चाहती हैं कि आपका चेहरा महंगा दिखे तो हल्का और प्राकृतिक मेकअप चुनें। फाउंडेशन हमेशा आपकी त्वचा के रंग से मेल खानी चाहिए ताकि चेहरे पर कोई अंतर न दिखे। लिपस्टिक का चुनाव भी सोच-समझकर करें। गहरे रंग की लिपस्टिक हमेशा महंगे और आकर्षक दिखती हैं। इसके अलावा आंखों के लिए हल्का काजल और मस्कारा लगाएं ताकि आंखें बड़ी और खूबसूरत लगें।

बालों की देखभाल करें : सुंदर और चमकदार बाल हमेशा महंगी दिखाते हैं। इसके लिए नियमित तौर पर तेल की मालिश करें और हफ्ते में कम से कम दो बार बाल धोएं। बालों के लिए मास्क भी बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इसके अलावा बालों को धूप से बचाने के लिए स्कार्फ या टोपी पहनें।

खुशबू का सही चयन करें : खुशबू भी आपके लुक को खास बना सकती है। एक अच्छी खुशबू आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है और आपको पूरे दिन ताजगी का एहसास दिलाती है। अपने शरीर की गंध को छिपाने के लिए खुशबू का इस्तेमाल करें, जिससे आप हमेशा महकती रहें। इसके अलावा खुशबू का सही चयन भी जरूरी है।

सही कपड़ों का चयन करें : कपड़े चुनते समय उनकी फिटिंग पर ध्यान दें। अच्छे फिटिंग वाले कपड़े हमेशा महंगे और आकर्षक दिखते हैं। ढीले-ढाले कपड़े न पहनें क्योंकि वे आपको साधारण दिखा सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्यों बॉलीवुड से दूर हुई ग्रेसी सिंह?

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म लगान ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह द प्लैनेट्स डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल अमानत से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म लगान- वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। लगान न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली मदर इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गंगाजल और अरमान जैसी फिल्मों में काम किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल को बड़ी सफलता मिली, लेकिन अरमान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे चंचल, देशद्रोही और देख भाई देख, लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी।

हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी।साल 2015 में उन्होंने टीवी शो संतोषी मां से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस धारावाहिक में देवी संतोषी मां के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और नई पीढ़ी के बीच भी उन्हें पहचान मिली। समय के साथ ग्रेसी सिंह आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज से गहराई से जुड़ गईं। वह अक्सर आध्यात्मिक जीवन, आत्मसंतोष और प्रसिद्धि से परे सच्ची खुशी की बात करती हैं। ग्रेसी सिंह अभी भी अविवाहित हैं और फिल्मों की चकाचौंध से दूर एक शांत, संतुलित और आध्यात्मिक जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि सफलता केवल शोहरत में नहीं, बल्कि अपने मन की शांति और संतुष्टि में भी छिपी होती है।

फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं मान्यता!

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता दत्त का जन्म 22 जुलाई 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है। उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं।

मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म गंगाजल से मिली। इस फिल्म में उन्होंने अलहड़ मस्त जवानी गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम मान्यता मिला। हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले।

इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने लवर्स लाइक अस नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था। यही फिल्म उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आई, क्योंकि इसी फिल्म के राइट्स खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए।

संजय दत्त और मान्यता दत्त ने 7 फरवरी 2008 को शादी कर ली। शादी के बाद मान्यता ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली और परिवार पर ध्यान देना शुरू किया। साल 2010 में दोनों जुड़वां बच्चों के माता-पिता बने। उनके बेटे का नाम शाहरान और बेटी का नाम इकरा है। हालांकि मान्यता का बतौर अभिनेत्री करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी में एक नई भूमिका निभाई। वह संजय दत्त प्रोडक्शंस की सीईओ हैं और बिजनेस से जुड़े फैसले लेती हैं।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निस्तारण में देरी पर डीएम नाराज

बागेश्वर(आरएनएस)। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, जंगली जानवरों के आतंक और पेंशन समेत विभिन्न समस्याओं से जुड़ी 20 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष को संबंधित अधिकारियों को भेजकर समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए। जनता दरबार के साथ सीएम हेल्पलाइन और 'हेलो बागेश्वर' पर लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। डीएम ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन पर सबसे अधिक शिकायतें यूपीसीएल से संबंधित हैं। यूपीसीएल की तीन शिकायतें 36 दिन से अधिक समय से लंबित मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई।अधिकारियों को संबंधित शिकायतकर्ताओं से वार्ता कर ही समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए।बिजली के बढ़े बिल की शिकायत पर डीएम ने यूपीसीएल के एसडीओ को तत्काल बिल ठीक कराने के निर्देश दिए। वहीं, पीएमजीएसवाई को बोरबलड़ा मोटर मार्ग एक सप्ताह में सुचारू करने को कहा। नगर क्षेत्र में जलभराव की शिकायत पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को नालियों की सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया विद्यालय का निरीक्षण

हरिद्वार (आरएनएस)। जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) अमित कुमार चंद ने ग्राम जमालपुर कलां स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय में मासिक परीक्षा चल रही थी और सभी छात्र-छात्राएं अनुशासन के साथ परीक्षा देते मिले। विद्यालय में पंजीकृत 326 विद्यार्थियों में से 322 उपस्थित और चार अनुपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर स्वच्छ और व्यवस्थित पाया गया। सभी शिक्षक अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते मिले। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जहां जनपद के कई विद्यालय बारिश के दौरान जलभराव और कम छात्र उपस्थिति जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं जमालपुर कलां विद्यालय ने वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था के माध्यम से जलभराव की समस्या से निजात पाई है। विद्यालय में वर्षा जल संग्रहण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए शिक्षक नियमित रूप से इसकी सफाई करते हैं। परिसर में फुलवारी और हरियाली भी आकर्षण का केंद्र है। विद्यार्थियों के लिए शीशा, कंघा और नेलकटर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा बाल संसद की ओर से संचालित साबुन बैंक और कैश बैंक जैसी पहल भी विद्यालय की विशेष उपलब्धियों में शामिल हैं।

सू- दोकू क्र.047

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 46 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

जिला अस्पताल शिफ्ट करने का प्रयास हुआ तो होगा जनआंदोलन- मनोज तिवारी

अल्मोड़ा (आरएनएस)। जिला चिकित्सालय को नगर क्षेत्र से अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की चर्चाओं के बीच अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अस्पताल को वर्तमान स्थान से हटाने का निर्णय लिया गया तो कांग्रेस जनता के साथ मिलकर व्यापक जनआंदोलन करेगी। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल को शहर से बाहर ले जाना जनहित के खिलाफ होगा। विधायक ने कहा कि जिला चिकित्सालय वर्षों से अल्मोड़ा नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज यहां उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल को दूर स्थानांतरित करने से विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियां बढ़ेंगी तथा इलाज के लिए अतिरिक्त समय और खर्च उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को अस्पताल को स्थानांतरित करने के बजाय वर्तमान परिसर में ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और आवश्यक संसाधनों को बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप जिला चिकित्सालयों को भी सशक्त बनाया जाना चाहिए। मनोज तिवारी ने संभावित स्थानांतरण योजना को जनविरोधी बताते हुए कहा कि पहाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों में अस्पताल की सुलभता सबसे महत्वपूर्ण है। आपातकालीन स्थिति में अस्पताल की दूरी मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव के समक्ष उठाकर अस्पताल को वर्तमान स्थान पर ही बनाए रखने की मांग की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि यदि सरकार ने अस्पताल स्थानांतरण का कोई आदेश जारी किया तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से इसका पुरजोर विरोध करेगी और जनता के साथ मिलकर आंदोलन छेड़ेगी। प्रेसवार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महानगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, आनंद सिंह बगड़वाल, परितोष जोशी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गवाड़ गांव में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विकासखंड द्वाराहाट के गवाड़ गांव में पिछले कई दिनों से दहशत का कारण बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की। ग्रामीणों के अनुसार बीते कुछ दिनों से तेंदुआ गांव के आसपास लगातार देखा जा रहा था। उसकी सक्रियता के चलते लोगों में भय का माहौल था और शाम ढलते ही ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से बच रहे थे। ग्रामीणों की शिकायत और सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में पिंजरा लगाया था। वन विभाग की सतर्कता रंग लाई और तेंदुआ पिंजरे में फंस गया। इसके बाद गांव में लंबे समय से बना डर का माहौल खत्म हुआ और लोगों ने राहत महसूस की। ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई में सहयोग और पहल के लिए वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता आशुतोष शाही तथा वन विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

चीनी के दाम बढ़ने पर भड़का उत्तराखंड क्रांति दल

रुद्रपुर (आरएनएस)। चीनी के दामों में लगातार हो रही वृद्धि पर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने नाराजगी जताई है। पार्टी नेताओं ने एसडीएम को ज्ञापन देकर चीनी विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों के गोदामों में उपलब्ध स्टॉक की जांच कराने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि चीनी के दाम अचानक बढ़ने से आम नागरिकों का बजट प्रभावित हो रहा है। आरोप लगाया कि बाजार में स्टॉकिस्ट और थोक विक्रेता पुराने स्टॉक की चीनी भी बढ़े हुए दामों पर बेच रहे हैं। दाम घटने में कई दिन लगते हैं, जबकि बढ़ने में समय नहीं लगता। उन्होंने प्रशासन और आपूर्ति विभाग से दुकानों व गोदामों में स्टॉक के बिलों की जांच कराने की मांग की। साथ ही स्टॉकिस्ट, थोक और फुटकर विक्रेताओं के लिए स्टॉक की सीमा निर्धारित करने तथा गोदामों के बाहर स्टॉक बोर्ड पर उपलब्ध मात्रा अंकित कराने की मांग की, ताकि जमाखोरी पर अंकुश लगाया जा सके। ज्ञापन देने वालों में शिव शंकर भाटिया, राम सिंह धौनी, चंदन बहादुर चंद, संतोष मेहरोत्रा आदि शामिल रहे।

सेवानिवृत्त वन अधिकारियों-कर्मचारियों की बैठक में उठीं समस्याएं

कोटद्वार(आरएनएस)। सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की स्थानीय शाखा की मासिक बैठक पनियाली स्थित अरण्य सभागार में आयोजित हुई।समिति अध्यक्ष एवं पूर्व रेंजर आरपी पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक में पिछली बैठक की समीक्षा के साथ सदस्यों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। आरपी पंत ने कहा कि इस वर्ष विभाग के सहयोग से कोटद्वार और सनेह रेंज में पौधारोपण कार्य कराया गया। पौधारोपण के समय सदस्यों की संख्या कम रहने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वन विभाग की पहचान और जिम्मेदारी से जुड़े कार्यों में सहभागिता जरूरी है।बैठक में कोरोना काल में रोके गए भत्तों को बहाल करने की मांग भी उठाई गई। समिति ने सरकार से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेने का आह्वान किया। साथ ही सदस्यों को आश्वस्त किया गया कि स्वास्थ्य या अन्य किसी समस्या से संबंधित प्रकरणों के समाधान के लिए समिति आवश्यक कार्रवाई करेगी।

गंगा में गिर रहे गंदे पानी को लेकर जिला प्रशासन ने दिखाई सख्ती

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार में गंगा घाटों पर बढ़ते अतिक्रमण और गंगा में गिर रहे गंदे पानी को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित विभागों को संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने और गंगा में प्रदूषित पानी गिरने से रोकने के निर्देश दिए। जिला गंगा संरक्षण समिति की 76वीं बैठक कलक्ट्रेट सभागार रोशनाबाद में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गंगा घाटों की स्वच्छता, अतिक्रमण, प्रदूषण नियंत्रण और जनजागरूकता अभियान की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारियों, एचआरडीए, पुलिस, सिंचाई विभाग हरिद्वार, सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश और नगर निगम को संयुक्त अभियान चलाकर गंगा घाटों और हरकी पैड़ी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी जिलास्तरीय अधिकारी अपनी परिसंपत्तियों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न होने दें। राष्ट्रीय राजमार्ग, ग्रामीण सड़क, वन भूमि और ग्राम पंचायत क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। घाटों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नियमित निरीक्षण और लगातार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ और निर्मल रखने के लिए किसी भी स्थिति में नालों का गंदा पानी नदी में नहीं गिरना चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें। नगर निगम और अधिकारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने और इसका इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए। घाटों के रखरखाव की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित संस्थाओं को मरम्मत और साफ-सफाई के कार्य ठीक ढंग से कराने को कहा। उन्होंने नगर निगम को संबंधित संस्थाओं के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से गंगा संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जनपद में संचालित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के प्रदर्शन की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को गंगा की स्वच्छता और जल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरके सिंह, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महाकाल सेवा समिति ने किया प्रसाद वितरण

संवाददाता

देहरादून। देहरादून की प्रसिद्ध बहुत चर्चित धार्मिक श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर की नगर भ्रमण भव्य शोभायात्रा के आगमन पर श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा पुष्प वर्षा व प्रसाद वितरण कर भव्य स्वागत किया गया जिसमें समिति के संरक्षक व उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य सुभाष जोशी ने भव्य स्वागत में अपना आशीर्वाद दिया व उनके हाथों श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत कृष्णागिरी जी दिगंबर भारत गिरी जी को शॉल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया गया, व सभी ने सुंदर झांकियां का अवलोकन किया। इस दौरान समिति के बालकिशनशर्मा, संजीव गुप्ता, पुनीत जैन, आयुष जैन, गौरव जैन, शिव कुमार, विनय प्रजापति, आलोक जैन, नितिन अग्रवाल, नितिन जैन, राहुल माटा , समर जैन, कृतिका राणा, अनुष्का राणा, राषिका माटा ने अपनी सेवाएं दी।

आंदोलनकारी वेद प्रकाश शर्मा के निधन पर शौक सभा का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने कचहरी परिसर सहित स्मारक में एक शोक सभा का आयोजन किया। जिसमें ऋषिकेश के वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी वेद प्रकाश शर्मा के निधन पर शोक प्रकट किया गया। स्मरण रहे की वेद प्रकाश शर्मा काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती है। परिषद शोकाकुल परिवार के साथ बराबर की भागीदार है। शोक प्रकट करने वालों में संयुक्त उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक बलेश बवानिया, प्रभात डंडरियाल व जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, जगमोहन रावत, रेखा शर्मा, गीता नेगी, सुभागा फरसवान, विकास रावत, अमित परमार आदि शामिल रहे।

प्रभु झूलेलाल चालिहा महोत्सव का ज्योत विसर्जन के साथ भव्य समापन

संवाददाता

ऋषिकेश। सिंधी समाज द्वारा 40 दिनों तक श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया प्रभु झूलेलाल चालिहा महोत्सव सोमवार को गंगा जी में ज्योत विसर्जन के साथ विधिवत संपन्न हुआ। इस वर्ष महोत्सव का आयोजन 16 जुलाई से 24 अगस्त तक मनोकामना सिद्ध प्रभु झूलेलाल मंदिर, आवास विकास कॉलोनी, ऋषिकेश में किया गया। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम प्रभु झूलेलाल जी की आरती, पल्लव एवं भंडारे का आयोजन किया गया। 40 दिवसीय कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। साथ ही सिंधी वर-वधू परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण एवं हनुमान जी की मनमोहक नृत्य झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। समापन अवसर पर मंदिर परिसर से प्रभु झूलेलाल जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में प्रेम चंदानी, कृष्ण कुमार इदनानी, हीरालाल, सुरेंद्र पाहवा, विजय छाबड़ा, चंद्र मोहन नारंग, वितेन्द्र पाहवा, राजकुमार, दिलीप लालवानी, गौरव कुकरानी, आशीष लालवानी, भरत माधवानी, रेणु नारंग, माया चंदानी, भावना सिंधी, सीमा खत्री, कविता, युविका, हृदय चंदानी सहित सिंधी समाज के अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ज्वैलर्स को लूटने वाले तीन लुटेरे गिरफ्तार!

लूटे गए चांदी के सिक्के, मूर्ति, एप्पल फोन घटना में प्रयुक्त कैंची व बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वैलस से हुई लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटे गये चांदी के सिक्के, मूर्ति, एप्पल फोन, घटना में प्रयुक्त कैंची व बाइक बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि बीती 21 अगस्त को प्रदीप कुमार शर्मा पुत्र स्व. धर्मचंद, निवासी शिवलोक कॉलोनी ने कोतवाली रानीपुर पर तहरीर देकर बताया कि रात के समय तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से उनका पीछा कर उनके साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया। बदमाश वादी का बैग छीनकर उसमें रखे लगभग 100 ग्राम चांदी के आभूषण, दुकान की चाबियां, एप्पल आईफोन मोबाइल, बीएचईएल मेडिकल कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज लूटकर फरार हो गए। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीती रात एक सूचना के आधार पर मटेरियल गेट बीएचईएल के पास संदिग्ध बाइक रोककर उसमें सवार तीनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम रितिक उर्फ टोपो पुत्र स्व. बिनोद चौधरी, निवासी ग्राम खंजरपुर, थाना मोदीनगर, जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, सौरभ पुत्र राजेंद्र सिंह, निवासी ग्राम टांडा साहूवाला, थाना बढ़ापुर, जनपद बिजनौर, उत्तर प्रदेश व राजीव सैनी उर्फ सागर पुत्र अमृत सैनी, निवासी ग्राम चांदपुर, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार बताया। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कावड़ मेला के दौरान बैरागी कैंप में दुकान लगाई थी और दुकान का सामान लेने कनखल आते थे, सुनार की दुकान के पास में जहां से इन्होंने देखा कि ज्वेलर्स बूढ़ा व्यक्ति है और उसके संबंध में जानकारी लेना शुरू कर दिया दिनांक 11 अगस्त को भी इन्होंने ज्वेलर्स का पीछा किया था लेकिन उस दिन अपने प्लान में सफल नहीं हो पाए उसके बाद 21 अगस्त की रात सुनार का पीछा करते हुए शिवलोक कॉलोनी पहुंचे। वहां मौका पाकर पहले कैंची से वादी के बैग को लटकाने वाला पट्टा काटा गया फिर बैग लूट लिया गया। ज्वैलर्स द्वारा अपना बचाव करने का प्रयास करने पर आरोपियों ने उसके साथ छीना-झपटी की कैंची से वार करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद तीनों बदमाश मौके से फरार होकर लूटा गया सामान राजा गार्डन, जगजीतपुर, हरिद्वार स्थित रितिक उर्फ टोपो के कमरे पर ले गए। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर उक्त कमरे पर पहुंचकर तलाशी ली गई, जहां से घटना में लूटा गया सामान बरामद किया गया।

टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सहारनपुर चौक, देहरादून में टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्री कृष्णा गिरी महाराज , महंत दिगम्बर भरत गिरी महाराज एवं टपकेश्वर सेवा दल के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने भगवान टपकेश्वर महादेव से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आस्था, एकता और आपसी सद्भाव को सुदृढ़ करने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री ने शोभायात्रा के आयोजन से जुड़े सभी संत-महात्माओं, आयोजन समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान टपकेश्वर महादेव की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर बनी रहे और उत्तराखण्ड निरंतर प्रगति एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहे। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान टपकेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शराब तस्करी में महिला सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरियाणा से तस्करी कर लाई जा रही अंग्रेजी शराब व बियर के साथ आबकारी विभाग की टीम ने महिला शराब तस्कर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 10 पेटी इंपोर्टेड शराब व 9 पेटी बियर 3 स्कूटी व एक चौपहिया वाहन बरामद हुआ है। हालांकि मुख्य आरोपी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात्रि संयुक्त आबकारी टीम जनपदीय प्रवर्तन दल देहरादून एवं आबकारी टीम मसूरी द्वारा प्रभारी सहायक आबकारी आयुक्त प्रेरणा बिष्ट के नेतृत्व में कंडोली बिधौली

❑10 पेटी अंग्रेजी इंपोर्टेड शराब एवं 9 पेटी बियर बरामद, मुख्य आरोपी फरार, तलाश जारी

प्रेमनगर थाना क्षेत्र में दबिश दी गई, टीम द्वारा 1 चारपहिया वाहन, 3 स्कूटी को फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनली की 10 पेटी अंग्रेजी इंपोर्टेड शराब एवं 9 पेटी बियर कुल 19 पेटी शराब की तस्करी बिक्री करते हुए जब्त किया गया, बताया जा रहा है कि शराब तस्कर बिधौली क्षेत्र में कॉलेज के छात्रों को होम डिलीवरी के माध्यम से हरियाणा से शराब लाकर बिक्री की जाती है। मामले में मुख्य आरोपी विक्रांत उर्फ गर्वित अपने चार पहिया वाहन को छोड़कर फरार हो गया, जबकि अन्य आरोपी अंकुश, सौरभ एवं महिला आरोपी पिंकी सभी निवासी हरियाणा को धारा आबकारी अधिनयम के अंतर्गत गिरफ्तार कर न्यायालय देहरादून में पेश किया गया है। टीम में आबकारी निरीक्षक मसूरी दिवाकर चौधरी , जयवीर सिंह, उप आबकारी निरीक्षक उमराव सिंह राठौर, आशीष प्रकाश, अर्जुन सिंह, हेड कांस्टेबल राकेश नाथ, गोविंद सिंह, हेमन्त, नौशाद, रीनू कुमार आदि सम्मिलित रहे।

दो बहनों का हत्यारा भाई गिरफ्तार

◆गोलियां बरसाकर दोनो बहनों को उतारा था मौत के घाट

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। राखी से ऐन दो दिन पूर्व बीती रात हुई दो बहनों की गोलियां बरसा कर हत्या के मामले में पुलिस ने हत्यारे सगे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद हुआ है। इस गोलीकांड में हत्यारे के जीजा को भी गोली लगी है। जिसका उपचार जारी है। हत्या की वजह सम्पत्ति विवाद व चरित्र पर शक करना बताया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार ने बताया कि बीती रात गणेशपुर रुडकी निवासी अर्जुन सिंह ने मामा विवेक उर्फ विक्की द्वारा फायरिंग कर मां व मौसी की हत्या करने और इस दौरान मौसा के गोली लगने से गम्भीर रुप से

◆सम्पत्ति विवाद व चरित्र पर शक बना हत्याकांड की वजह, हत्यारोपी का जीजा भी गोली लगने से गंभीर रुप से हुआ है घायल

घायल होने के संबंध में दिये गए शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी पुलिस टीम द्वारा एक सूचना के बाद देर रात आरोपी विवेक उर्फ विक्की को चूडा मणी मन्दिर चौक के पास चुडियाला भगवानपुर से एक तमंचा, 6 खोखा कारतूस व घटना में इस्तेमाल बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

बताया कि प्रारंभिक तौर पर संपत्ति विवाद और चरित्र पर शक हत्या के पीछे की वजह नजर आ रही है। वास्तविक कारणों के संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है। बहरहाल पुलिस ने हत्यारोपी भाई को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

भगवान शिव की शोभायात्रा से भक्तीमय हुई दून नगरी

देहरादून (सं)। भगवान शिव की शोभायात्रा से पूरी दून नगरी भक्तीमय हो गयी। शोभायात्रा का कई स्थानों पर स्वागत किया गया इस दौरान भंडारों का भी आयोजन किया गया। आज प्रात: दस बजे शोभायात्रा के शिवाजी धर्मशाला से प्रस्थान करने पर पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यस्था में परिवर्तन किया गया। निरंजनपुर मंडी लालपुल व मातावाला बाग कट से सहारनपुर चौक की ओर आने वाले यातायात को जीएमएस रोड़ की ओर डायवर्ट किया गया एवं प्रिन्स चौक, रेलवे स्टेशन से आने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा गया। शोभायात्रा के सहारनपुर चौक पर पहुंचने से पूर्व बल्लीवाला व लक्ष्मण चौक से कोई भी वाहन सहारनपुर चौक की ओर नही आने दिया, वाहनों को बल्लीवाला से कमला पैलेस की ओर व लक्ष्मण चौक से पार्क रोड़ की ओर भेजा गया। शोभायात्रा के सहारनपुर चौक से झंडा बाजार में प्रवेश करने तथा सहारनपुर चौक पर यातायात के सामान्य होने पर सभी डायवर्जन को सामान्य कर दिया गया। इस दौरान सहारनपुर चौक व भण्डारी चौक पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा भंडारे का प्रशाद बांटा गया। शोभायात्रा के घंटाघर पहुंचने प्रदेश सरकार के द्वारा हैलीकाप्टर से फूलों की वर्षा की गयी। घंटाघर से चकराता रोड जाने वाले यातायात को दिलाराम चौक की ओर से अपने गंतव्य स्थान की ओर भेजा गया। इस दौरान एलआईसी बिल्डिग के पास भी भव्य भंडारे का आयोजन किया गया तथा शोभायात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं का फूल वर्षा कर स्वागत किया गया।

उत्तराखंड शासन में बड़ा फेरबदल

❑आईएएस, पीसीएस और सचिवालय सेवा के 6 अधिकारियों के प्रभार बदले

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शासन में ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर एक बार फिर अहम बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रांतीय सिविल सेवा और सचिवालय सेवा के छह वरिष्ठ अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल करते हुए उनके तबादले किए हैं। शासन के कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-०1 की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। उप सचिव दीपक कुमार द्वारा जारी आदेश में सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए विभागों का कार्यभार ग्रहण करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

शासन द्वारा जारी तबादला सूची के अनुसार, 2०12 बैच के आईएएस अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे के

◆विजय कुमार जोगदंडे बने अपर सचिव गृह, डा. आनंद श्रीवास्तव को नागरिक उड्डयन का जिम्मा

दायित्वों में बदलाव किया गया है। उन्हें अपर सचिव, राजस्व विभाग के पदभार से अवमुक्त कर दिया गया है। इसके स्थान पर उन्हें अब अपर सचिव, गृह विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जोगदंडे के पास वर्तमान में मौजूद आयुष, निर्वाचन और स्टाफ आफिसर मुख्य सचिव जैसे अन्य विभाग यथावत रहेंगे। इसी तरह, 2०13 बैच के आईएएस डा. आनंद श्रीवास्तव, जो वर्तमान में अपर सचिव-राजस्व, कृषि व कृषक कल्याण का जिम्मा संभाल रहे हैं, के दायित्वों में वृद्धि की गई है। उन्हें अब अपर सचिव-नागरिक उड्डयन तथा महानिदेशक-कृषि एवं उद्यान का नया जिम्मा भी प्रदान किया गया है। इसके अलावा, 2०17 बैच के आईएएस विनोद गिरी गोस्वामी को अपर सचिव-आवास विभाग के पदभार से मुक्त कर दिया गया है। उनके पास शहरी विकास और सीईओ भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण का प्रभार बना रहेगा।

शासन ने प्रांतीय सिविल सेवा के अधिकारी सुन्दर लाल सेमवाल के प्रभार में भी कटौती की है। उन्हें अपर सचिव, समाज कल्याण विभाग के दायित्व से अवमुक्त कर दिया गया है। वहीं, सचिवालय सेवा के अधिकारी सुनील सिंह को अपर सचिव, गृह विभाग के प्रभार से हटाकर अब अपर सचिव-आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वह अपर सचिव-राजस्व का जिम्मा भी संभालते रहेंगे।

इधर, शासन ने बाध्यप्रतीक्षा में चल रहीं सचिवालय सेवा की वरिष्ठ अधिकारी महिमा रौंकली को भी नई तैनाती दे दी है। आदेश के मुताबिक, उन्हें अपर सचिव-राजस्व एवं सैनिक कल्याण विभाग का महत्वपूर्ण प्रभार सौंपा गया है। कार्मिक विभाग के अनुसार, सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल अपने वर्तमान पदभार से कार्यमुक्त होकर नवीन तैनाती का कार्यभार ग्रहण करते हुए शासन को इसकी आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया है।

महंगाई पर तंज कसना पड़ गया एक लेखपाल को भारी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। महंगाई पर सोशल मीडिया में एक हल्की-फुल्की टिप्पणी करना उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक लेखपाल को भारी पड़ गया। फेसबुक पर चाय और चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर पोस्ट लिखने वाले लेखपाल के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि लेखपाल ने फेसबुक पर लिखा था चाय खतरे में है मित्तर, चीनी पहुंच गई सत्तर। पोस्ट सामने आने के बाद मामला प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचा। इसके बाद संबंधित लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें निलंबित कर दिया गया।

मामले ने सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की सीमा और सरकारी कर्मचारियों की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि महंगाई पर एक सामान्य टिप्पणी को प्रशासनिक कार्रवाई का आधार बनाया जाना किस हद तक उचित है। वहीं प्रशासन की ओर से कार्रवाई के पीछे क्या विस्तृत कारण हैं, यह स्पष्ट रूप से सामने आना अभी बाकी है।

◆चीनी पहुंची सत्तर लिखने पर जौनपुर के लेखपाल निलंबित
◆हल्की-फुल्की टिप्पणी में लिखा था, चाय खतरे में है मित्तर
◆लेखपाल के निलंबन के बाद सोशल मीडिया पर उठे सवाल

सरकारी कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर पहले से ही सेवा नियम और आचरण संबंधी प्रावधान लागू हैं। ऐसे में किसी कर्मचारी की सोशल मीडिया पोस्ट को व्यक्तिगत टिप्पणी मानने के बजाय यदि उसे सरकारी सेवा आचरण के दायरे में देखा जाता है, तो विभागीय कार्रवाई की गुंजाइश बनती है।

हालांकि इस पूरे प्रकरण का सबसे दिलचस्प पहलू पोस्ट की भाषा है। महंगाई पर तंज कसते हुए लिखे गए महज एक वाक्य ने प्रशासनिक कार्रवाई का रूप ले लिया। चाय खतरे में है मित्तर जैसी पंक्ति अब जौनपुर के प्रशासनिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा का विषय बनी हुई है। यह घटना उस दौर में सामने आई है जब सोशल मीडिया सरकारी कर्मचारियों के लिए भी अपनी बात रखने का बड़ा माध्यम बन चुका है। कर्मचारी निजी जीवन में क्या पोस्ट कर सकते हैं और किस बिंदु पर उनकी सोशल मीडिया टिप्पणी सरकारी आचरण का विषय बन जाती है इसको लेकर स्पष्टता और संतुलन दोनों जरूरी हैं।

फिलहाल लेखपाल के निलंबन ने एक संदेश जरूर दिया है कि सरकारी सेवा में रहते हुए सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी को केवल निजी अभिव्यक्ति मानकर छोड़ दिया जाना तय नहीं है। दूसरी ओर, कार्रवाई के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आने के बाद ही यह तय हो सकेगा कि मामला महज एक फेसबुक पोस्ट का था या पोस्ट के पीछे कोई अन्य प्रशासनिक अथवा सेवा संबंधी उल्लंघन भी माना गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।